SALTOC Project

Title: Madhumatī

Imprint: Udayapura : Rājasthāna Sāhitya Akādamī

OCLC: 3195624

Volume 39, number 11 (November 1999)

TOC supplied by: Princeton University Library

मधुमती

नवम्बर, १९९९

मधुमती

राजस्थान साहित्य अकादमी की मासिक पत्रिका

वर्ष ३९ अंक ११ : नवम्बर १९९९

सम्पादक
डॉ. पूनम दईया

सम्पादन - सहयोग
गिरिराज किराडू

अनुक्रम

लेख

अमर्त्य सेन : सच्चे अर्थशास्त्र की छाया में ६–९
नन्दकिशोर आचार्य

विषमता का दर्शन और समता की चाह १०–१५
राजकिशोर

साहित्य का अध्यापन : एक लेखक–अध्यापक का दृष्टिकोण १६–२४
रमेशचन्द्र शाह

औपन्यासिक मर्म की तलाश २५–२८
राजी सेठ

निराला के निबन्धों में ज्ञान–विषयक चिंतन २९–३३
डॉ. वीरेन्द्र सिंह

गुएंटर ग्रास : इस सदी के अंत में इतिहास और संवेदना का अध्याय ३४–३८
डॉ. कृष्ण कुमार रत्तू

साहित्य : मूल्यांकन की राजनीति ३९–४१
कलानाथ शास्त्री

कविताएँ

दस कविताएँ ४२–४६
श्रीराम वर्मा

प्रतिबिम्बों के बीच ४७–४८
इलाकुमार की कविताएँ

चार कविताएँ ४९–५१
प्रयाग शुक्ल

तीन कविताएँ ५२–५४
प्रमोद वर्मा

के. सच्चिदानन्दन की चार कविताएँ ५५–५८
अनुवाद – रति सक्सेना

आज नहीं ५९–६०
राजेन्द्र उपाध्याय

जैसा है कविता का जीवन ६१–६३
हेमन्त शेष

जगह बदलते टीले ६४–६९
संजीव मिश्र

विजय शंकर की कविताएँ ७०–७२

शिकवा ७३–७५
महेन्द्र रंगा

पिता ७६–७७
मंजु चतुर्वेदी

गुजराती कहानी

जंजीर ७८–८१
रघुवीर चौधरी, भाषांतर : जगन्नाथ पंडित

उपन्यास– अंश

सुने-सुनाए लोक में ८२–८७
हबीब कैफ़ी

कहानी

केस नम्बर पाँच सौ सोलह ८८–९३
माधव नागदा

समीक्षा

कविता में स्त्री ९४–९८
परमानंद श्रीवास्तव

पुस्तक– समीक्षाएँ

एक कृति रूबरू कराती भर्तृहरि के अमरुक शतक से ९९–१०२
डॉ. जबरनाथ पुरोहित

तीसरे पाठ में ही निहित है रंगकर्म की सफलता १०३–१०५
ज्योतिष जोशी

'बाहरी दुनिया के राग–विराग का अर्थ' १०६–१०९
नंद चतुर्वेदी

'कथा, नीति–कथा क्यों बन जाएँ' ११०–११३
डॉ. राजानन्द

आलोचक की बगल में बैठा कवि ११४–१२२
अरविन्द त्रिपाठी

स्मृति

लोक–सखा नागार्जुन १२३–१३०
डॉ. रामदरश मिश्र